विवरण

प्रमाणीकृत/गुणवत्ता प्राप्त बीजों (1992-93 और 1993-94) की मांग और उपलब्धता

(मात्रा लाख क्विंटल में)

क्र० सं०	फसल समूह	1992-93		1993-94	
		मांग	उपलब्धता	मांग	उपलब्धता
1	अनाज	41.92	42.39	44.76	48.54
2	दालें	4.28	4.47	4.28	4.42
3	तिलहन	12.01	12.69	11.87	12.81
4	रेशेदार फसलें	2.44	2.51	2.46	2.41
5	अन्य	3.78	3.77	4.42	3.51
	कुल :	64.43	65.83	67.79	71.69

उर्वरकों का अत्यधिक मात्रा में प्रयोग रोकने के लिए कदम

3321. **श्री राम नरेश यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि में अत्यधिक मात्रा में प्रयुक्त हो रहे रासायनिक उर्वरक मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं और क्या इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया है;

(ख) यदि हां, तो कृषि में उर्वरकों का अत्यधिक मात्रा में प्रयुक्त किये जाने पर रोक लगाने के लिये सरकार क्या-क्या प्रभावी कदम उठा रही है; और

(ग) इन्हें प्रभावी बनाने क लिये कितना समय लगने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीअरविन्द नेताम) : (क) देश में रसायनिक उर्वरक के उपयोग के वर्तमान स्तरों को मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं समझा जाता है। इस सम्बन्ध में विस्तृत औपचारिक अध्ययन नहीं किया गया है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

Agreement between India and France

3322. SHRI SURESH KALMADI : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state ;

(a) whether it is a fact that India and France have signed an agreement on cooperation in the fields of agriculture and agro food industries; and

(b) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) and (b) Yes, Sir. India and France have signed an Agreement on cooperation in the field of agricluture and agro food industries. The agreement provides for developing scientific, technical and economic cooperation between the two countries in the field of agriculture, fisheries, forestry, rural development and agro-food industries. Collaboration under the agreement can take form of joint research activities ; exchange of scientists and experts, materials and information ; training ; supply of materials and equipments ; organisation of seminars and workshops, besides programmes of technological and industrial cooperation involving public and private sector firms and cooperatives.